

83, 20. तदेव हि किञ्चित्प्रति हर् किञ्चित्प्रत्ययसिक्तं भवति PAT. zu P. 8, 2, 84. Schol. zu P. 1, 1, 33. 2, 1, 2. Siddh. K. zu P. 2, 3, 27. न ममार्थान्प्रति दैन्यम् MĀKĪ. 7, 22. KUMĀRAS. 7, 83. ÇĀK. 66, 18. AK. 1, 1, 5, 15. वासवदत्ता च तच्छेटी: प्रति चात्मनः । अर्धर्शनं पुक्तिबलाद्यधात् KATHĀS. 12, 59. तं प्रति तुतोष 14, 88. MĀK. P. 23, 79. PĀNĀT. 3, 7. अथ माठव्यं प्रति भवता किमेवं प्रयुक्तम् ÇĀK. 93, 13. किं नु खलु यथा वयमस्यामेवमियमप्यस्मान्प्रति स्यात् 17, 14. प्रतिज्ञातं च रामेण तदा बालिवधं प्रति R. 1, 1, 61. विज्ञातो दत्ताणां प्रति KATHĀS. 4, 93. प्रमूर्तिं प्रति याचितः KUMĀRAS. 6, 27. स तु कृत्वा सुवेलस्य बुद्धिमारेक्षणं प्रति R. 6, 14, 1. दुर्योधनं प्रति नृपं शृणु चेदं वचो मम MBh. 18, 12. गिरिराजमिमं तावत्पृच्छामि नृपतिं प्रति N. 12, 28. Hip. 4, 1. R. 2, 27, 23. 6, 36, 1. 99, 38. शृणु — कयामेतां शार्दण्डायनीं प्रति MBh. 1, 4677. RAGH. 10, 29. 12, 51. यं प्रति कोपः P. 1, 4, 37. क्रोधमाकारयतीत्र रावणो धातरं प्रति R. 6, 80, 19. सद्धर्मचारिणं प्रति न त्वया मन्युः कार्यः ÇĀK. 111, 12. तान्प्रति मानमुक्तं Spr. 3346. धर्मं प्रति विमुखता ÇĀK. 66, 2. त्यज शोकम् — लक्ष्मणं प्रति R. 6, 82, 35. सर्वज्ञः पुरवनिताव्यापारं प्रति निवृत्तकृपस्य MĀLAY. 35. तां प्रत्यभिव्यक्तमनोराधानाम् RAGH. 6, 12. त्वां प्रत्युत्कृष्टिता PĀNĀT. 209, 18. एवमुपालब्धस्य ते न मां प्रत्यनुक्रोशः ad ÇĀK. 34. आहं प्रति रुचिः JĀGĪ. 1, 218. Suçr. 2, 178. 21. मन्दैतमुक्तो ऽस्मि नगरगमनं प्रति ÇĀK. 18, 22. शास्त्रं प्रति मे मरुती विरक्तिः संज्ञाता PĀNĀT. 143, 15. अनुनयं प्रति — मध्यस्थतामेव्यति Spr. 28. सार्धुर्दवदत्तो मातरं प्रति P. 1, 4, 90, Sch. समर्थये यत्प्रथमं प्रियां प्रति was ich zuerst für die Geliebte hielt VIKR. 132. — 9) nach, gemäß, zu Folge, franz. selon; mit dem acc.: प्रति वर्म् RV. 2, 11, 21. 10, 133, 7. धर्मं प्रति M. 8, 58. मां प्रति so v. a. nach meiner Meinung MĀLAY. 50. — 10) bei, in, mit dem Nebenbegriff der stetigen Wiederholung (वीप्सा) P. 1, 4, 90. Vop. 3, 7. AK. H. an. Med.; mit dem acc.: यज्ञं प्रति bei jedem Opfer JĀGĪ. 1, 110. वर्षं प्रति alljährlich PĀNĀT. 229, 6. Gewöhnlich wird प्रति in dieser Bed. mit der Ergänzung zu einem adv. comp. verbunden Sch. zu P. 2, 1, 6. Beispiele wird man weiter unter finden. — 11) am Ende eines adv. comp. so v. a. ein wenig (मात्रार्थे) P. 2, 1, 9. Med. सूयप्रति = किञ्चित्सूयः P., Sch. — Die Lexicographen kennen noch folg. Bedd.: प्रधान HALĀJ. तेषु und निश्चय BHAR. zu AK. und MED. (?) nach ÇKDā. व्यावृत्ति. प्रशस्ति, विरोध, समाधि DURGĀD. zu Vop. स्वभाव ÇANDAR. ÇKDā. Diese Bedeutungen werden wohl zum Theil aus den Bedeutungen mit प्रति verbundener Verba gefolgert worden sein. In der folgenden Stelle scheint प्रति nicht am Platze zu sein: तच्च वेदयितव्यं ते मम प्रति मक्ष्यशाः (nom.) R. 6, 109, 33. — Vgl. अप्रति (auch BHĀG. P. 8, 7, 18), तुवि°.

2. प्रति m. N. eines Sohnes des Kuça BHĀG. P. 9, 17, 16.

प्रतिक (von 1. प्रति) gaṇa पुरोहितादि zu P. 5, 1, 128. adj. f. ई einen Kārshāpaṇa werth P. 5, 1, 25. Vārtt. 2.

प्रतिकञ्चु (1. प्र° + कञ्) m. Widersacher (nach WRBB) Ind. St. 5, 189. 162. 448. Die Lesart steht nicht fest.

प्रतिकण्ठम् (von 1. प्रति + कण्ठ) adv. einzeln (eig. so dass man jeden beim Halse packt; so ist auch कण्ठतम् aufzufassen) RV. Pāṭ. 1, 13. Schol. zu 4, 18. 9, 29. 11, 20 und zu P. 4, 4, 40. — Vgl. प्रातिकण्ठक.

प्रतिकार (von 1. कर् mit प्रति) 1) adj. f. ई entgegen wirkend: विष° Suçr. 2, 270, 6. — 2) m. Ersatz: ग्रामादेवगृह्णाद्यावज्ञाप्रतिकरेण (so

IV. Theil.

ist zu schreiben) सः । स्वयं स्वीकृत्य चोत्पत्तिम् ohne Entgelt RĪGĀ-TAR. 3, 169. स्वप्रतिकारं R. GORR. 2, 120, 9 fehlerhaft für सुप्रतिकारं. — Vgl. अ°, सु°.

प्रतिकर्कश (1. प्रति + क°) adj. f. आ gleich hart: धाराभिः — अर्जुनशरप्रतिकर्कशाभिः MĀKĪ. 91, 6.

प्रतिकर्तार (von 1. कर् mit प्र) nom. ag. 1) Vergelter MBh. 12, 4992. न कृते प्रतिकर्ता च युगे क्षीणे भविष्यति HARIV. 11170. — 2) Widersacher KULL. zu M. 11, 34.

प्रतिकर्तव्य (wie eben) adj. 1) zu vergelten (im Guten oder Bösen). abzutragen (eine Schuld): दुःखद्वयमिदं भद्रे कतरस्य चिकीर्षसि । प्रतिकर्तव्यम् MBh. 3, 6083. मातापितृभ्यां सर्वेण ज्ञातेन तनयेन वै । ह्यणं वै प्रतिकर्तव्यम् HARIV. 4412. मयास्मा ऋणिवत्प्रतिकर्तव्यम् ÇĀK. zu BH. Ān. Up. S. 231. 233. (तत्तकाय) प्रतिकर्तव्यमित्येवं येन मे हिंसितः पिता MBh. 1, 2009. सा भीष्मे प्रतिकर्तव्यमहं पश्यामि सोप्रातम् 3, 6009. 15, 98. प्रतिकर्तव्ये मतिर्या तेयम् (= त इयम्) diese deine Absicht Vergeltung zu üben 10, 141. कृते हि प्रतिकर्तव्यमेष धर्मः सनातनः R. 5, 7, 26. आत्मनस्तु हितं पुण्यं प्रतिकर्तव्यमथ वै so v. a. du musst zum Ersatz Etwas thun, was dir heilsam ist, MBh. 13, 94. — 2) dem man entgegenarbeiten —, entgegenwirken soll, — kann: स चायमस्माकमुपस्थितः कुलक्षयो भवद्भिरवहितैः प्रतिकर्तव्यः PRAB. 19, 7. यदा दुःखमुत्पत्स्यते तदा तत्प्रतिकर्तव्यम् Schol. zu KAP. 1, 3. कथं च प्रतिकर्तव्यं तेषां रामेण रत्नसाम् R. 1, 22, 13 (23, 16. 17 GORR.). — 3) ärztliche Hilfe zu leisten: °अनाद्याभ्युपगतानां चात्मबान्धवानामिव स्वभेषजैः प्रतिकर्तव्यम् Suçr. 1, 7, 12. fgg.

प्रतिकर्म (1. प्रति + कर्मन्) adv. bei jeder Begehung KĀTS. Çā. 1, 3, 26. 22. 7, 21. प्रतिकर्म पराचार ऋजिज्ञां स्म विधीयते MBh. 12, 2968.

प्रतिकर्मन् (von 1. कर् mit प्रति oder 1. प्रति + क°) n. 1) Vergeltung MBh. 4, 1841. — 2) Gegenthat, eine entsprechende Handlung oder Widerset-lichkeit: अ° dem es Niemand gleich thut oder der sich nicht widersetzt. folgsam: पुत्र R. 1, 75, 22. DAÇ. 2, 65. — 3) Anputz, Toilette AK. 2, 6, 2, 1. 22. v. l. H. 636. HALĀJ. 2, 384. HAR. 173. MBh. 2, 2025. 3, 14713. R. 5, 22, 21. fgg. 6, 112, 20. Bd. III, S. 465. KUMĀRAS. 7, 6. ÇIÇ. 5, 27. 9, 43. अस्मान्नियोजयत्या ते कौतुकप्रतिकर्मणि KATHĀS. 45, 295.

प्रतिकर्ष (von 1. कर्ष mit प्रति) m. Zusammenrückung, Vereinigung: कप° zur Erkl. von क्रयैकाव einmaliger Einkauf, der Einkauf verschiedener Sachen mit einem Male Schol. zu KĀTS. Çā. 15, 8, 10. अप्रतिकर्षो (क्रयस्य) वार्थहेतुवात्सक्यं विधीयते ĠAIM. (bei GOLD. u. अप्रतिकर्ष) the not anticipating what occurs later GOLD.

प्रतिकल्प्य (vom caus. von कल्प् mit प्रति) adj. zurechtzumachen: फलकान्यथ चर्मणि प्रतिकल्प्यान्यनेकशः MBh. 12, 3690.

प्रतिकश (1. प्रति + कशा) adj. wohl der Peitsche nicht gehorchend: अश्व P. 6, 1, 152, Sch.

प्रतिकष्ट Suçr. 2, 443, 4 vielleicht fehlerhaft für प्रतिकृष्ट.

प्रतिकङ्गिन् (von काङ्ग mit प्रति) adj. verlangend nach: समर्° HARIV. 3537. mit einem acc.: विज्ञयं प्र° (oder ist viell. विज्ञयप्र° zu lesen?) MBh. 7, 7350.

प्रतिकर्मम् (von 1. प्रति + काम) adv. nach Lust, nach Wunsch RV. 3, 48, 1. 10, 15, 8. पिवं प्रतिकामं सुतस्य 112, 1. ĀÇV. Çā. 9, 10. KĀTS. Çā. 4, 3, 16.